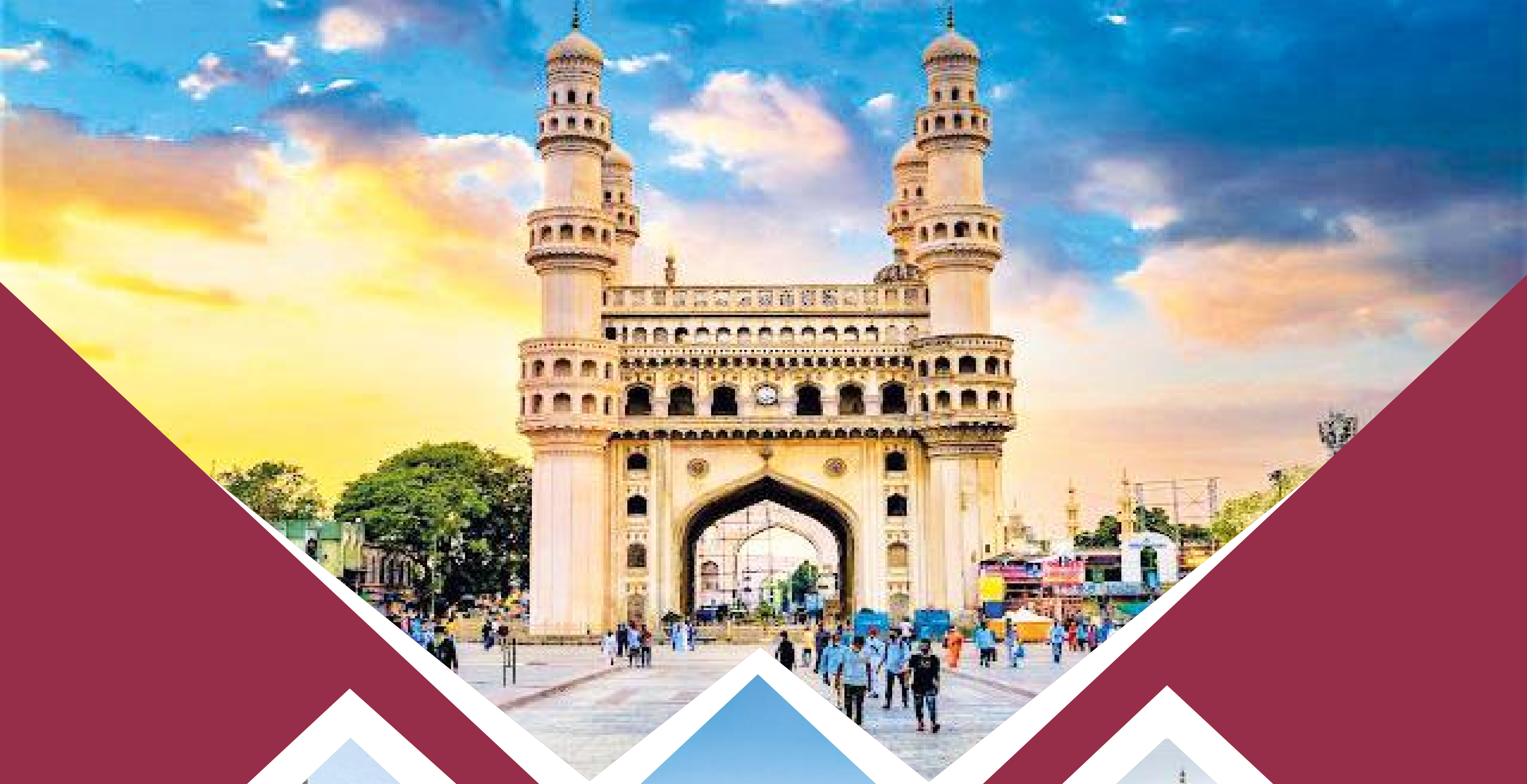

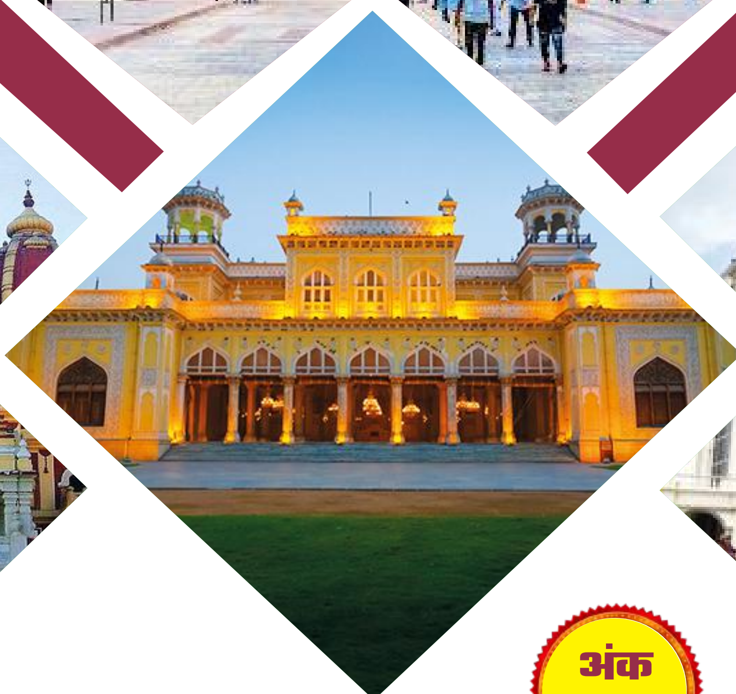

अंक 1

పీఎన్బీ డెక్కన్ సంవాద్

पीएनबी दक्कन संवाद

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !

punjab national bank ...the name you can BANK upon!

पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद की अर्ध वार्षिक गृह पत्रिका, अंक 1, अप्रैल-सितंबर 2025

मंडल कार्यालय हैदराबाद रेजेंसी प्लाजा, प्रथम तल, अमीरपेट, हैदराबाद 500016 || दूरभाष : 7896941173 || ई-मेल : Cohydraj@pnb.co.in

तेलंगाना राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा जी के साथ शिष्टाचार भेंट करते हुए अंचल प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद श्री सुनील कुमार चुघ, श्री अरविंद कालरा, मंडल प्रमुख, हैदराबाद साथ में उपस्थित हैं श्रीमती रेखा राव, मुख्य प्रबंधक सी.ए.सी हैदराबाद तथा सुश्री श्वेता कुमारी, वरिष्ठ प्रबन्धक(राजभाषा), मंडल कार्यालय, हैदराबाद ।

मानीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र महोदय का अभिनंदन करते हुए अंचल प्रमुख, हैदराबाद, श्री सुनील कुमार चुघ

एमएसएमई एवं स्वयं सहायता समूह आउटरीच कार्यक्रम के दौरान आदरणीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र महोदय ऋण स्वीकृति पत्र तथा चेक ग्राहकों को सौंपते हुए, दृष्टव्य हैं अंचल प्रमुख श्री सुनील कुमार चुघ एवं मंडल प्रमुख, हैदराबाद

प्रबंधकीय मंडल

संरक्षक
श्री अरविंद कालरा
मंडल प्रमुख

मार्गदर्शक
श्री सी बी विवेकानंद
उप मंडल प्रमुख

परामर्श:
श्रीमती वी. पद्मावती
मुख्य प्रबंधक

मुख्य संपादक

सुश्री श्वेता कुमारी
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

प्रकाशन सहयोग

श्रीमती अर्पणा कुन्तमुक्कला
वरिष्ठ प्रबंधक

श्री अभिषेक कुमार गौतम
अधिकारी

अनुक्रमणिका

अंक 1

क्र		शीर्षक	रचनाकार	पृष्ठ
1	संदेश	राज्यपाल महोदय का संदेश		6
2		अंचल प्रमुख का संदेश		7
3		मंडल प्रमुख का संदेश		8
4		ए० आई० पी० एन० बी० ओ० ए० हैदराबाद, सचिव का संदेश		9
5		संपादकीय		10
6	कहानी, आलेख	परिवर्तन के साथ सफलता की राह	सी.बी विवेकानन्द	12
7		श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर	वी. पद्मावती	13
8		तीन जादुई शब्द	श्रीमती सी. बी. सविता	14
9		एक अनोखा शहर - हैदराबाद	मयूर गंदमवार	15
10		आज का युवा और सोशल मीडिया	मौ.तौसीफ रहमत जामा	16
11		आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व हिंदी भाषा	नानी किशोर जे०	17
12		सांस्कृतिक एकता की आत्मा - राजभाषा हिंदी	दिव्या आर्या	19
13		तेलुगु भाषा : भारतीय संस्कृति का गौरव	संकलन	20
14		नांदेड जिल्हा (महाराष्ट्र, भारत)	बालाजी सदाशिव कोपले	21
15		शिक्षा का महत्व	लव कुमार	22
16		वारंगल की संस्कृति, परंपराएँ और बैंकिंग का विकास	प्रज्वल	23
17		बैंकिंग में कर्मचारी कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य	जी बेंजामिन पॉल	24
18		हमारा हैदराबाद	वाई राहुल	25
19		विश्व पटल पर हिंदी	शेख तौकिर हसन	26
20		संगठन	शशि रेखा जे	29
21		हिंदी - राजभाषा	जी मनोज कुमार	30
22	काव्यांजलि	राजभाषा हिंदी का महत्व	जी भावना	18
23		कुछ सवाल है उनका जवाब दे पाओगे क्या	कृति कुमारी	18
24		बांग्ला भाषा - भावानुवाद	कनक दास	31
25		नई सुबह का सपना	महेश	32
26		ओणम	रेंजू जिजो	32
27	अन्य	15 सितंबर 2025 के अनुसार मंडल कार्यालय हैदराबाद की कारोबार स्थिति	वाई राहुल	11
28		कला दीर्घा		33
29		विभिन्न अखबार के पन्नों में मंडल हैदराबाद		35
30		टिप्पणी		36
31		राजभाषा गतिविधियां		37
32		जन्मोत्सव		38
33		विविध गतिविधियां		39
34		एक नज़र मंडल कार्यालय हैदराबाद		43

पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद की अर्ध वार्षिक गृह पत्रिका, वर्ष 2025-26, अप्रैल-सितंबर 2025

पीएनबी दक्कन संवाद, पंजाब नैशनल बैंक के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित की जाती है। इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मुद्रण एवं पत्रिका डिजाइन : अंजनी प्रकाशन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, मो. 8820127806, ई-मेल : nandlal@anjaniprakashan.com

Jishnu Dev Varma

सत्यमेव जयते
GOVERNOR
TELANGANA

RAJ BHAVAN
HYDERABAD - 500 041

08.09.2025

संदेश

यह जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद मंडल द्वारा हिंदी पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

यह पहल न केवल बैंक की राजभाषा नीति के प्रति समर्पण को अभिव्यक्त करती है, बल्कि हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्धन में भी सराहनीय योगदान देती है।

हिंदी हमारी राजभाषा होने के साथ-साथ विविधता में एकता का आधार है, जो समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने का सेतु बनती है।

बैंक जैसे संस्थानों द्वारा हिंदी को प्रोत्साहन देना न केवल प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाता है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करता है।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका कर्मचारियों की रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार में प्रभावी भूमिका निभाएगी।

मैं इस पत्रिका से जुड़े संपादकीय दल, सहयोगियों और रचनाकारों को हार्दिक बधाई देता हूँ और इसके निरंतर विकास की शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(जिष्णु देव् वर्म)

अंचल प्रमुख का संदेश

पीएनबी हैदराबाद मंडल के मेरे प्रिय साथियो,

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि मंडल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं बैंकिंग गतिविधियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से "पीएनबी दक्कन संवाद "ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि हैदराबाद मंडल की यह पत्रिका मंडल के कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत करने में सहायक होने के साथ-साथ स्टाफ सदस्यों के विचारों, अनुभवों एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति का भी सशक्त माध्यम बनेगी। हमारा बैंक सदैव ग्राहकों के हित, सामाजिक एवं आर्थिक विकास के प्रति समर्पित रहा है। आज के प्रतिस्पर्द्धात्मक युग में हमें बेहतर ग्राहक सेवा, तकनीकी नवाचार और पारदर्शिता के लक्ष्य के साथ कार्य करना अत्यंत आवश्यक है।

बैंक का यह निरंतर प्रयास रहता है कि हम अपने ग्राहकों को आधुनिक तकनीक, सरलता और सहजता के साथ उन्हें श्रेष्ठ बैंकिंग अनुभव प्रदान करें। बदलते समय के साथ बैंक ने डिजिटल बैंकिंग, त्वरित सेवा और ग्राहक–केंद्रित समाधान को अपनाया है, ताकि ग्राहक सेवा को और अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके। हमारे ग्राहकों का विश्वास ही हमें "भरोसे का प्रतीक" बनाता है। अत: हम सभी का यह नैतिक दायित्व है कि हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन उत्कृष्टता के साथ करें ।

ई-पत्रिका प्रकाशन का मूल उद्देश्य स्टाफ सदस्यों के साथ संवाद के एक जीवंत माध्यम के रूप में इसे प्रस्तुत करना है। आशा करता हूँ कि प्रस्तुत ई-पत्रिका राजभाषा के संवर्द्धन के साथ-साथ स्टाफ सदस्यों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने में भी सहयोगी सिद्ध होगी।

मैं मंडल प्रमुख, पत्रिका की संपादकीय टीम एवं पत्रिका से जुड़े सभी आलेखकारों एवं समस्त सहयोगियों को पत्रिका के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और कामना करता हूँ कि पत्रिका निरंतर नए आयाम प्राप्त करें।

सुनील कुमार चुघ
अंचल प्रबंधक एवं मुख्य महाप्रबंधक

मंडल प्रमुख का संदेश

"एक टीम एक सपना एक लक्ष्य"

बचपन में हम लोग हमेशा किसी न किसी के साथ रहे हैं। माँ-बाप के साथ, भाई-बहन के साथ, दोस्तों के साथ, अध्यापकों के साथ हमेशा मिल जुल कर काम किया। खेले कूदे, पढ़ाई -लिखाई की, हमेशा सब के साथ एक टीम की तरह काम किया। सफलता-असफलता दोनों साथ में देखे। टीम में काम करने का अपना ही एक मजा था। कभी खुद को अकेला नहीं पाया।

टीम भावना कभी माँ-बाप ने, कभी अध्यापकों ने, कभी समय ने तो कभी अंजान व्यक्तियों ने सिखाई जो आज भी काम आती है। टीम भावना ने सिखाया अकेला व्यक्ति क्या है, उसकी हस्ती क्या है और जब हम कभी किसी टीम का हिस्सा बनकर, उस टीम के साथ मिलकर किसी अच्छे उद्देश्य के लिए, किसी लक्ष्य को पाने का प्रयास करते हैं तो उसकी ताकत कितनी बढ़ जाती है।

यही प्रेरणा है जो हमें टीम में रहकर टीम में काम करने वाले अपने साथियों का सम्मान करना सिखाती है। यह हमें स्मरण कराती है कि:"

"चमन-में-इख़्तिलात-ए-रंग-ओ-बू-से-बात-बनती-है

हम ही हम हैं, तो क्या हम हैं तुम ही तुम हो तो क्या तुम हो"

अर्थात एक बगीचे में विभिन्न रंगों और सुगंधों के मिश्रण से ही उसकी खूबसूरती बनती है। ठीक उसी तरह आज हमें फिर से नयी टीम भावना जागृत करने की आवश्यकता है, ताकि हम सब मिलकर एक दूसरे के सहयोग से अपने व्यवसायिक तथा निजी जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त कर सके।

मेरा पूरी टीम तथा इस टीम के प्रत्येक सदस्य से यह अनुरोध है कि टीम भावना का सम्मान करते हुए, अपनी टीम के प्रत्येक व्यक्ति के साथ कँधे से कँधा मिलाते हुए अपने व्यवसायिक क्षेत्र में नई उच्चाइयों को प्राप्त करें तथा दिन प्रतिदिन प्रगति की ओर अग्रसर हों।

अरविंद कालरा

मंडल प्रमुख,हैदराबाद

"हिंदी भाषा का प्रश्न स्वराज्य का प्रश्न है।" - महात्मा गांधी।

ए.आई.पी.एन.बी.ओ.ए तेलंगाना सचिव का संदेश

पंजाब नैशनल बैंक सदैव दृढ़ता, प्रगति और जन-केन्द्रित बैंकिंग का प्रतीक रहा है। बदलते वित्तीय परिदृश्य में प्रबंधन और संगठन की भूमिकाएँ विरोध में नहीं, बल्कि समन्वय में हैं। हमारे बैंक की वास्तविक शक्ति इसी सामंजस्य में है-जहाँ प्रबंधन विकास का दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, वहीं संगठन कर्मचारियों के कल्याण की ज़िम्मेदारी निभाती है।

हैदराबाद में यह संतुलन हमारी सबसे बड़ी ताक़त है। हमारी संगठन सदैव रचनात्मक संवाद के माध्यम से प्रबंधन के साथ कार्य करती रही है ताकि बैंक के व्यवसायिक लक्ष्यों और कर्मचारियों के हितों को समानांतर रूप से आगे बढ़ाया जा सके। जब कर्मचारी सुरक्षित, सम्मानित और प्रेरित महसूस करते हैं तभी वे ग्राहकों को श्रेष्ठ सेवा प्रदान कर बैंक के विकास में योगदान देते हैं।

पंजाब नैशनल बैंक की दृष्टि भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के सपने से जुड़ी हुई है। हम सभी कर्मचारियों का कर्तव्य है कि इस यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानें। प्रत्येक लेन-देन, प्रत्येक ग्राहक सेवा और प्रत्येक नवाचार इस बड़े लक्ष्य की पूर्ति की दिशा में कदम है। हैदराबाद ने उल्लेखनीय प्रगति की है और हम सभी के सामूहिक प्रयासों से भविष्य में और भी बड़े मुकाम हासिल होंगे।

हमारे यूनियन की शक्ति केवल संख्या में नहीं, बल्कि हमारे सदस्यों की एकता और समर्पण में निहित है। ए.आई.पी.एन.बी.ओ.एका हैदराबाद परिपत्र मज़बूत स्तंभ है जो अधिकारों की रक्षा करते हुए पेशेवर उत्कृष्टता को भी प्रोत्साहित करता है। कर्मचारियों के कल्याण, निष्पक्ष पदस्थापन, पदोन्नति और सहयोगी वातावरण को प्राथमिकता में रखा गया है।

हम राष्ट्रीय नीति के अनुरूप हिंदी राजभाषा को बढ़ावा देने के प्रति भी प्रतिबद्ध हैं। भाषाई विविधता का सम्मान करते हुए, हिंदी को प्रोत्साहित करना हमारी एकता को और मजबूत करता है और बैंक की राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ बनाता है।

आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें एकजुट रहेंगे, प्रबंधन की दृष्टि को साकार करने में सहयोग देंगे और कर्मचारियों के हितों को सदैव सर्वोपरि रखेंगे। प्रबंधन और संगठन मिलकर पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद मंडल और हमारे देश की आर्थिक प्रगति का नया अध्याय लिख सकते हैं।

जी. वेंकन्ना
मंडल सचिव हैदराबाद एवं एजीएस, तेलंगाना

संपादकीय

सुधी पाठकगण,

पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय हैदराबाद की पत्रिका "पीएनबी दक्कन संवाद" के प्रथम अंक, अप्रैल -सितंबर 2025, राजभाषा विशेषांक के माध्यम से आप सभी से पहली बार जुड़ते हुए अपार संतोष एवं हर्ष की अनुभूति हो रही है।

यह पत्रिका न केवल हमारे बैंकिंग कार्यों का दर्पण है, बल्कि तेलंगाना राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राजभाषा हिंदी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। तेलंगाना राज्य अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक प्रगति के लिए देशभर में पहचाना जाता है। इस पत्रिका का मूल उद्देश्य कई आयामों में फैला हुआ है। यह हमारे कर्मचारियों की राजभाषा में लेखन क्षमता को प्रोत्साहित करने का माध्यम है। यह बैंकिंग क्षेत्र की नवीनतम जानकारियों और सरकारी नीतियों को सरल हिंदी में प्रस्तुत करने का मंच है। यह स्थानीय सांस्कृतिक गतिविधियों और भाषा प्रेम को बढ़ावा देने का साधन है।

गुवाहाटी अंचल की पत्रिका के आठ अंकों तथा गुवाहाटी मंडल की पत्रिका के अंक एक के संपादन के पश्चात हैदराबाद मंडल की प्रथम पत्रिका का संपादन यूँ तो मेरे जीवन का दसवां पत्रिका संपादन है, किन्तु हैदराबाद मंडल जैसी बहुभाषिक भूमि पर पत्रिका का प्रकाशन अपने आप में चुनौतीपूर्ण एवं रोमांचक है। चुनौती भरी यह राह मंडल प्रमुख, संपादक मंडल, हमारे लेखकों तथा समस्त स्टाफ सदस्यों की सहायता से सरल और सुलभ होती गयी। आप सभी ने पग-पग पर सजग सहयोग एवं सुझाव से मेरा संबल बढ़ाया है।आप सभी के सहयोग से "पीएनबी दक्कन संवाद" के संपादन का उत्तरदायित्व मेरे लिए एक सुखद चुनौती और स्मरणीय अनुभव रहा है।

जीवन भी तो हमें यही शिक्षा देती है कि कर्म ही एकमात्र साधन है जिससे कठिन से कठिन राह भी सरल हो जाती है। अकेले चलते-चलते कब कारवां बन जाता है पता ही नहीं चलता।

"काम आएगा तो सिर्फ आपका कर्म
है यही जीवन का मर्म
जो न डगमगाए, वही है धर्म।
आँखों में आँसू, पर होंठों पर हर्ष,
सच की राह पर चल, न कर कोई शर्म।
छोड़ दे किस्मत का झूठा भ्रम,
तेरे हाथ में है बस तेरा धर्म।
दुनिया भुला दे नाम कभी गर,
पर याद रहेगा सिर्फ तुम्हारा कर्म।"

मुझे आशा है कि पत्रिका अपने मनोहारी स्वरूप और कलात्मक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आपके नेत्रों के साथ -साथ मन को भी आनंदित करेगी। पाठकों से विनम्र निवेदन है कि पत्रिका को अपना स्नेह, सहयोग और सुझाव प्रदान करें।

श्वेता कुमारी
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

15 सितंबर 2025 के अनुसार
मंडल कार्यालय हैदराबाद की कारोबार स्थिति

15.09.2025 तक मंडल कार्यालय हैदराबाद की स्थिति (आंकड़ें करोड़ में)						
मापदंड	07.09.24	31.03.24	31.03.25	30.06.25	09.09.25	10.09.25
कुल कारोबार	13518	14753	13822	14650	14475	14477
बचत	1821	1941	1855	1887	1842	1839
वर्तमान जमा	492	750	729	600	494	497
कासा	2313	2691	2584	2487	2336	2336
खुदरा सावधि जमा	3966	3961	3873	3925	3960	3959
अन्य सावधि जमा	3058	894	1918	2502	2346	2345
सावधि जमा	6526	4855	5791	6427	6306	6304
कुल जमा	8839	7546	8375	8914	8642	8640
कुल अग्रिम	4679	7207	5447	5736	5833	5837
कुल खुदरा	2977	2753	3415	3670	3795	3795
मुख्य खुदरा	2916	2691	3358	3586	3743	3743
एमएसएमई	749	837	978	1019	1069	1075
कुल कृषि पीएस	792	773	880	907	895	895
कृषि गोल्ड		309	391	361	379	379
कृषि पीएस (कृषि गोल्ड ऋण को छोड़कर)		464	489	546	516	516
अन्य अग्रिम	13		14	4	3	3
कुल अग्रिम (एसटीडी)			5397	5696	5783	5786
कुल खुदरा (एसटीडी)			3409	3664	3787	3787
एमएसएमई (एसटीडी)			950	1000	1044	1049
कुल कृषि पीएस (एसटीडी)			865	891	880	880
कॉर्पोरेट_एडवांस (5 करोड़ ग्राहक)	147	2597	160	137	70	68
एनपीए		2871	2687	414	399	399

सी.बी विवेकानन्द
उप मंडल प्रमुख
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

परिवर्तन के साथ सफलता की राह

आधुनिक बैंकिंग क्षेत्र में निरंतर परिवर्तन एक अपरिहार्य सत्य है। डिजिटल क्रांति, नई तकनीकों का आगमन, नीतिगत बदलाव और ग्राहक अपेक्षाओं में वृद्धि ने बैंकिंग कर्मचारियों के समक्ष नई चुनौतियां प्रस्तुत की हैं। इन परिस्थितियों में सफल होने के लिए परिवर्तन को स्वीकार करना, नए कौशल का विकास करना और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखना आवश्यक हो गया है।

बैंकिंग उद्योग में काम करने वाले व्यक्तियों को यह समझना चाहिए कि परिवर्तन केवल अनिवार्य नहीं बल्कि उन्नति का माध्यम है। कोर बैंकिंग से लेकर मोबाइल बैंकिंग तक, चेक बुक से लेकर डिजिटल पेमेंट तक का सफर दिखाता है कि जो संस्थाएं और कर्मचारी परिवर्तन को अपनाते हैं, वे आगे बढ़ते हैं। परिवर्तन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना पहला कदम है।आज के बैंकिंग पेशेवरों को पारंपरिक बैंकिंग ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी दक्षता भी विकसित करनी होगी। फिनटेक समाधान, साइबर सिक्योरिटी, डेटा एनालिटिक्स, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बुनियादी सिद्धांतों की जानकारी आवश्यक हो गयी है। नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना और उद्योग की नवीनतम जानकारी रखना करियर की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।सफलता के लिए व्यवस्थित तैयारी आवश्यक है। बैंक कर्मचारियों को अपने करियर लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और उन्हें प्राप्त करने के लिए स्पष्ट योजना बनानी चाहिए। नियमित आत्म-मूल्यांकन, कमजोर पक्ष की पहचान और उन्हें दूर करने के उपाय खोजना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक नयी चुनौती को सीखने का अवसर मानकर आगे बढ़ना चाहिए।

बैंकिंग क्षेत्र में लक्ष्य पूर्ति का दबाव, ग्राहक संतुष्टि की जिम्मेदारी और नियामक अनुपालन की आवश्यकताएं अक्सर तनाव का कारण बनती हैं। इस तनाव से मुक्त होने के लिए कुछ महत्वपूर्ण रणनीतियां हैं। समय प्रबंधन की तकनीकों का उपयोग करना, कार्य को प्राथमिकता के अनुसार व्यवस्थित करना और टीम वर्क को बढ़ावा देना आवश्यक है।नियमित व्यायाम, ध्यान और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेकर मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों से सकारात्मक व्यवहार और आवश्यकता पड़ने पर मार्गदर्शन लेना भी महत्वपूर्ण है।

सफलता केवल पदोन्नति या वेतन वृद्धि से नहीं मापी जाती। बैंकिंग में सच्ची सफलता ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता, टीम के साथ सहयोग, नैतिक मूल्यों का पालन और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति में निहित है। जो व्यक्ति परिवर्तन को अपनाकर, नयी कुशलताओं का विकास करते हुए और तनाव को सकारात्मक रूप से प्रबंधित करते हैं, वे न केवल व्यक्तिगत रूप से सफलता प्राप्त करते हैं बल्कि संस्था की प्रगति में भी योगदान देते हैं।

बैंकिंग क्षेत्र के भविष्य में वे ही सफल होंगे जो परिवर्तन को चुनौती नहीं बल्कि अवसर मानकर आगे बढ़ेंगे और मानसिक संतुलन बनाए रखते हुए निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहेंगे।

वी. पद्मावती
मुख्य प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर

तिरुमला का श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर भारत के सबसे महान और समृद्ध मंदिरों में से एक है। यह आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है।

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जो भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। मान्यता है कि कलियुग में भक्तों के दुःख दूर करने और उनका उद्धार करने के लिए भगवान ने तिरुमला को अपना निवास बनाया। इसलिए उन्हें कलियुग के देवता कहा जाता है। स्वयं प्रकट हुए भगवान वेंकटेश्वर की मौजूदगी इस दिव्य पर्वत पर आज भी हर भक्त को गहराई से महसूस होती है।

यह मंदिर किसी एक राजा ने नहीं, बल्कि अलग-अलग शासकों ने अनेक पीढ़ियों में बनाया और इसका विस्तार किया। शुरुआत तमिल नरेश थोंडैमाण से हुई, जिसके बाद पल्लव, चोल, पांड्य और विजयनगर साम्राज्य के श्रीकृष्णदेवराय ने इसमें अपना योगदान दिया।

भगवान वेंकटेश्वर को भक्त बालाजी, श्रीनिवास, वेंकटचलपति जैसे अनेक नामों से पुकारते हैं, परंतु शक्ति और ऊर्जा का स्रोत एक ही है – वही परमात्मा। तिरुमला की पवित्र पहाड़ियाँ उस दिव्य ऊर्जा से भरी हैं, जो हर यात्री को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ करती हैं। कहते हैं कि भगवान के केवल एक दर्शन मात्र से ही भक्त का हृदय आनंद और शांति से भर उठता है।

यहाँ प्रतिदिन विशेष सेवाएँ और पूजाएँ होती हैं।

- सुबह भगवान को सुप्रभातम् गाकर जगाया जाता है।
- फिर तोमाला सेवा में फूल अर्पित किए जाते हैं और अर्चना होती है।
- दोपहर में कल्याणोत्सव होता है, जिसमें भगवान वेंकटेश्वर का विवाह माता लक्ष्मी और भूदेवी के साथ संपन्न कराया जाता है। इसके बाद उंजल सेवा, ब्रह्मोत्सव और वसंतोत्सव मनाए जाते हैं।
- शाम को सहस्र दीपालंकरण सेवा होती है, जहाँ दीपों से मंडप को सजाया जाता है और भक्ति संगीत गूंजता है।
- रात्रि में एकांत सेवा होती है, जिसमें भगवान को स्वर्ण शय्या पर विश्राम कराया जाता है।

इन सभी सेवाओं के माध्यम से हर भक्त को लगता है जैसे वह साक्षात भगवान के साथ दिन भर रहा हो।

तीन जादुई शब्द

मैं सी. बी. सविता, उम्र के उस पड़ाव की ओर पहुँच चुकी हूँ, जहाँ से मेरी मंजिल मुझे साफ-साफ दिखाई देती है। जीवन के 83 साल पूर्ण करने वाली हूँ। इस जीवन यात्रा में मैंने बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं। जीवन के 31 वर्ष तो शिक्षिका का पद सँभाले रही। बच्चों को ज्ञान बाँटा। अनुभव के मोती बटोरती रही। पुरानी यादों के झरोखों में खट्टी-मीठी यादें बसी हुई हैं।

आज मुझे कुछ लिखने का निमंत्रण मिला पंजाब नैशनल बैंक की ओर से तो मैं आग्रह को ठुकरा न सकी और झट पट कागज-कलम ले कर बैठ गई। मैं उन तीन-चार बातों का जिक्र करूँगी, जो मनुष्य के जीवन को सफल बनाती है और उसके व्यक्तित्व में निखार लाती है।

वे हैं, (i) Sorry (ii) Thank You (iii) Please (iv) Smile

(1) Sorry : अपनी गलती न होने पर भी Sorry बोल देने पर मन को शांति मिलती है। हमारा बड़प्पन प्रकट होता है और रिश्ते भी मधुर बने रहते हैं। एक सफल जीवन का यह एक मंत्र है और गलती करके Sorry बोलने की तो परंपरा है ही।

(2) Thank-you : आप इस शब्द को बोलकर भी लोगों के दिलों को जीत सकते हैं। यदि कोई आप का छोटा सा भी कार्य कर दे, तो झट Thanks बोल दें। इसमें भी छोटे-बड़े पर विचार न करे। किसी ने आपकी मदद की तो झट Thank you बोल दीजिये। मैं तो ईश्वर को भी प्रतिदिन Thank you बोलती हूँ कि उन्होंने मुझे जिन्दगी दी। मैं उसकी आभारी हूँ प्रत्येक वस्तु के लिए। आप जिसे Thanks बोलते हैं, उसकी नजरों में आप महान् बन जाते हैं।

(3) तीसरा शब्द हैं : Please या कृपया – किसी को आज्ञा या order मत दीजिये। यदि आपको किसी से एक गिलास पानी भी माँगना हो तो Please पहले कहिये। आपके लिए पानी लाने वाला कभी काम को बोझ नहीं समझेगा। घर हो या बाहर Please शब्द आपकी नम्रता को दर्शाता है। नम्रता से दिलों को जीता जा सकता है।

(4) Smile : मुस्कुराहट – Smile Costs nothing. मुस्कुराहट भी दिलों को जीतने का आसान तरीका है। मुस्कुराता हुआ चेहरा भी प्यारा लगता है। आप किसी को प्यार देंगे तो बदले में प्यार ही मिलेगा। मुसकुराते हुए चेहरों का तो हर जगह स्वागत होता है।

याद रखें ईश्वर की दी हुई जिन्दगी को मुस्कुरा कर जिए।

श्रीमती सी. बी सविता
माता : श्री सी.बी विवेकानन्द
उप मंडल प्रमुख, हैदराबाद

एक अनोखा शहर – हैदराबाद

मयूर गंदमवार
मुख्य प्रबंधक
सी ए सी, हैदराबाद

हैदराबाद है तू मोतियो का श्वेत शहर,
मुगलों और निजामों ने किया शासन कुछ प्रहर।
रंग बिरंगे बाजारों ने इतिहास कुछ ऐसा दिखाया,
विभिन्न स्मारकों ने पर्यटकों का दिल बहलाया।
चारमीनार और रामोजी फिल्म सिटी है हैदराबाद की शान,
आकर्षण का केंद्र, यह वास्तुकला की पहचान।
लाख की चूड़ियाँ मिलती हैं यहाँ रंग-बिरंगी,
चाहत से है पहनती लड़कियाँ देशी हो या फिरंगी।
हीरों का शहर ये जहाँ कोहिनूर पाया गया,
अनोखी वास्तूकला से गोलकोन्डा किला बनाया गया।
नेकलेस रोड रात में हीरे की तरह चमकता है,
आई टी हाइटेक सिटी विकास की बुनियाद रखता है।
शांति प्रतीक बुद्ध की प्रतिमा हुसैन सागर में दिखती है,
एन. टी. आर गार्डेन रूप में राजनीतिक विरासत झलकती है।
शिक्षण, सेवा, चिकित्सा और मनोरंजन भी पहचान है,
प्रोत्साहित करती आधुनिक प्रोद्योगिकी साइबर टावर्स रूपी शान है।
गिनिज वर्ल्ड रिकार्ड फिल्मसिटी रामोजी ने बनाया,
दुनिया में बड़ी फिल्म सिटी का अपना परचम फहराया।
नुमाइश का आयोजन होता प्रतिवर्ष यहाँ पर,
प्रत्येक राज्य के उत्पादों का होता प्रदर्शन जहाँ पर।
व्यवसायों का संगम से एक विकसित भारत बनाता है,
पिछड़े क्षेत्रों के विकास में आयकर का उपयोग किया जाता है।
जिसकी सिग्नेचर खुश्बू और स्वाद दुनिया को दीवाना बनाती है,
है मशहूर और पसंद सभी के मुँह में पानी लाती है।

पारंपरिक मसालों से बनी हैदराबादी बिरयानी है,
महक और स्वादिष्टता में इसका ना कोई सानी है।
हर थकावट को दूर करती है मशहूर इरानी चाय,
साथ में उस्मानिया बिस्कुट भी सबका दिल ललचाय।
डबल का मीठा बताशा और अशरफी दिल को लुभाती है,
पुथारेकुलू जैसी परतदार मिठाई झट मुँह में घुल जाती है।
आधुनिकता, विविधता का संगम इस शहर की पहचान,
हैदराबाद व उस्मानियां विश्वविद्यालय है जिसकी जान।
यह शहर है नवोदित भारत की पहचान,
है महसूस गर्व हमें हैदराबादी होने का अभिमान।
खूबसूरत शहर है ये विकास की शान,
ऊँची-ऊँची इमारतें छूती है आसमान।
सुंदर, अनोखी यहाँ की हर डगरी,
जो है कहलाती सपनों की नगरी॥

आज का युवा और सोशल मिडिया

मौ.तौसीफ़ रहमत जामा
मुख्य प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

21वीं सदी का युवा सोशल मिडिया की दुनिया में पैदा हुआ और पला-बढ़ा है। यह पीढ़ी, जिसे 'डिजिटल नेटिव्स' कहा जाता है, ने सोशल मिडिया को केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि जीवनशैली का आधार बनाया है।

आज के युवा के लिए सोशल मिडिया वह स्थान है जहां वे अपनी पहचान गढ़ते हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा करना, ट्विटर पर अपनी राय व्यक्त करना, और यूट्यूब पर अपनी प्रतिभा दिखाना उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है। यह पीढ़ी तुरंत संतुष्टि (Instant Gratification) की आदी हो गई है और लाइक्स, कमेंट्स और शेयर्स के माध्यम से सामाजिक स्वीकृति खोजती है।

ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स ने पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है। Khan Academy, Coursera, और BYJU'S जैसे प्लेटफॉर्म्स ने युवाओं को घर बैठे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह और भी स्पष्ट हो गया कि सोशल मिडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने में कितने महत्वपूर्ण हैं।

सोशल मिडिया ने क्रिएटर इकॉनमी को जन्म दिया है। आज के युवा:

- कंटेंट क्रिएशन के माध्यम से आय अर्जित कर रहे हैं।
- एफिलिएट मार्केटिंग और ब्रांड कोलैबोरेशन से पैसा कमा रहे हैं।
- ऑनलाइन बिजनेस शुरू कर रहे हैं।
- डिजिटल मार्केटिंग में करियर बना रहे हैं।

युवाओं ने सोशल मिडिया को सामाजिक बदलाव का मंच बनाया है।

आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी, और मेटावर्स जैसी तकनीकें सोशल मिडिया को और भी प्रभावशाली बनाएंगी। युवाओं को इन बदलावों के लिए तैयार रहना होगा।

सोशल मिडिया आज के युवा के लिए दोधारी तलवार है। इसका सदुपयोग व्यक्तित्व विकास, शिक्षा, और करियर निर्माण में सहायक है, वहीं इसका दुरुपयोग मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों के लिए हानिकारक हो सकता है।

आवश्यकता है संतुलित उपयोग की, जहां तकनीक का इस्तेमाल मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए किया जाए न कि उन्हें नष्ट करने के लिए। युवाओं को डिजिटल सिटिजनशिप की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि वे जिम्मेदार और सचेत तरीके से सोशल मिडिया का उपयोग कर सकें।

सोशल मिडिया केवल एक उपकरण है - इसका उपयोग कैसे किया जाता है, यह पूर्णतः उपयोगकर्ता पर निर्भर करता है। आज के युवा को यह समझना होगा कि वास्तविक सफलता और खुशी डिजिटल दुनिया के लाइक्स में नहीं बल्कि वास्तविक जीवन की उपलब्धियों और रिश्तों में है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व हिंदी भाषा

नानी किशोर जे
वरिष्ठ प्रबंधक, सू. प्रौ
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान की वह शाखा है जो मशीनों को मनुष्य की तरह सोचने, समझने और कार्य करने की क्षमता प्रदान करती है। आज के डिजिटल युग में एआई का उपयोग हर क्षेत्र में बढ़ रहा है, जिसमें हिंदी भाषा को भी एक नई पहचान मिली है।

एआई के माध्यम से हिंदी भाषा का संरक्षण और प्रचार-प्रसार काफी आसान हो गया है। गूगल ट्रांसलेट, एलेक्सा, सिरी जैसे एआई टूल्स ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर सुलभ बनाया है। अब लोग विदेशी भाषाओं से हिंदी में अनुवाद सरलता से कर सकते हैं। एआई आधारित प्लेटफ़ॉर्म जैसे दुलिंगो और बायजूस ने हिंदी सीखना व्यक्तिगत और प्रभावशाली बना दिया है। इससे बच्चों और युवाओं को हिंदी पढ़ना-लिखना सीखने में मदद मिल रही है।

हिंदी में कंटेंट निर्माण भी एआई की मदद से पहले से तेज़ और आसान हुआ है। ब्लॉग, समाचार, कविताएँ और कहानियाँ अब स्वचालित रूप से हिंदी में तैयार की जा रही हैं। फिल्मों और वेब सीरीज़ की डबिंग, सबटाइटलिंग भी एआई से आसान हो गई है। एआई वॉयस रिकॉग्निशन और चैटबॉट्स स्थानीय सेवाओं को हिंदी में उपलब्ध कराकर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल समावेश को बढ़ावा दे रहे हैं।

हालाँकि, हिंदी की विविध बोलियाँ और अंग्रेज़ी-केंद्रित डेटा से एआई को कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सही उच्चारण, व्याकरण और भाव समझने के लिए एआई में निरंतर सुधार आवश्यक है। एआई हिंदी भाषा के संरक्षण, विकास और प्रचार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जिससे तकनीकी युग में हिंदी की महत्ता और अधिक बढ़ी है।

राजभाषा हिंदी का महत्व

भारत एक बहुभाषी देश है जहाँ अनेक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। इतनी विविधता के बीच एक ऐसी भाषा की आवश्यकता पड़ी जो देश को एक सूत्र में बाँध सके और राष्ट्रव्यापी संचार का माध्यम बन सके। इस दृष्टि से हिंदी को 14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान की राजभाषा का दर्जा दिया गया।

हिंदी विभिन्न भाषाई क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य करती है और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाती है।

हिंदी सरल, सहज और व्यापक रूप से समझी जाने वाली भाषा है, जिससे विभिन्न राज्यों के लोग एक-दूसरे से संवाद कर सकते हैं।

हिंदी साहित्य, कविता, लोकगीत, नाटक और सिनेमा हमारी संस्कृति और परंपरा की पहचान कराते हैं।

हिंदी का प्रयोग सरकारी कामकाज, प्रशासन और न्यायालयों में किया जाता है, जिससे आमजन को शासन से जुड़ना आसान होता है।

हिंदी आज विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। विदेशों में बसे भारतीयों के बीच यह पहचान और गर्व की भाषा है।

हिंदी भाषा मीडिया, फिल्म, टीवी, इंटरनेट और व्यावसायिक क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाती है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है।

इस प्रकार, राजभाषा हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा, एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।

जी भावना
ग्राहक सेवा सहयोगी
आर.सी.सी, हैदराबाद

कुछ सवाल है उनका जवाब दे पाओगे क्या??

कुछ सवाल है,
उनका जवाब दे पाओगे क्या??
सब कहते हैं मेरे साथ रहना मुश्किल है,
रह पाओगे क्या??
ख़ुद में उलझी हुई रहती हूँ,
सुलझा पाओगे क्या??
कुछ सवाल है,
उनका जवाब दे पाओगे क्या??
हर बार सब कुछ नहीं कहती,
बिना कहे समझ पाओगे क्या??
अगर हार जाओ खुद से,
तो हौसला देकर,
फिर से लड़ने को कह पाओगे क्या??
कुछ सवाल हैं,
उनका जवाब दे पाओगे क्या??
अपनी दुनिया में खो सी जाती हूँ,
मेरी उस दुनिया में रह पाओगे क्या?
कभी किसी बात से डर जाऊँ तो,
उस डर से लड़ने में साथ दे पाओगे क्या?
थोड़ी भुल्लकड़ सी हूँ,
मेरे बदले में सब याद रख पाओगे क्या??
थोड़ा गुस्सा ज्यादा आता है,
उस गुस्से को शांत कर पाओगे क्या??
कुछ सवाल है,
उसका जवाब दे पाओगे क्या??

कृति कुमारी
ग्राहक सेवा सहयोगी
फ़िल्म नगर शाखा

दिव्या आर्या
अधिकारी
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

सांस्कृतिक एकता की आत्मा - राजभाषा हिंदी

भारत एक बहुभाषी देश है, जहाँ सैकड़ों बोलियाँ और भाषाएँ बोली जाती हैं। इस भाषाई विविधता में एकता बनाए रखना आसान नहीं है, और इसी कार्य को हिंदी संभव बनाती है। भाषा केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति और पहचान की धरोहर भी है। हमारी राजभाषा हिंदी इस दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी को देवनागरी लिपि में राजभाषा घोषित किया गया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि हिंदी पूरे देश में सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है। इस प्रकार यह राष्ट्रीय स्तर पर संवाद का मजबूत आधार बनी।हमारे देश भारत के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं। ऐसे में हिंदी संपर्क भाषा के रूप में सभी को जोड़ने का काम करती है। हिंदी फिल्में, साहित्य, गीत और समाचार पूरे देश में आसानी से स्वीकार किए जाते हैं और लोगों को सांस्कृतिक रूप से एक सूत्र में बाँधते हैं। शासन और शिक्षा में हिंदी की भूमिका लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता और प्रशासन के बीच सहज संवाद आवश्यक है। जब सरकारी नीतियाँ और सूचनाएँ हिंदी में उपलब्ध होती हैं तो आम नागरिक उन्हें अधिक सरलता से समझ पाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी हिंदी, छात्रों को अपनी जड़ों और संस्कृति से जोड़ता है। हिंदी साहित्य में कबीर, तुलसी, सूर, प्रेमचंद आदि की रचनाएँ समाज को दिशा और प्रेरणा प्रदान करती हैं। वैश्विक मंच पर हिंदी आज केवल भारत तक सीमित नहीं है। फिजी, मॉरीशस, नेपाल जैसे देशों में भी हिंदी बोली जाती है। डिजिटल युग और सोशल मीडिया ने हिंदी को विश्व स्तर पर और भी लोकप्रिय बना दिया है। प्रवासी भारतीयों के लिए हिंदी अपनी मातृभूमि से भावनात्मक जुड़ाव का एक सेतु है। हालाँकि हिंदी राजभाषा है, लेकिन उच्च शिक्षा, न्यायपालिका और प्रशासन में अंग्रेज़ी का प्रभाव अधिक है। नई पीढ़ी भी अंग्रेज़ी को प्राथमिकता देती है। ऐसे में आवश्यकता है कि विज्ञान, तकनीक और व्यवसाय से जुड़ा साहित्य हिंदी में अधिक मात्रा में उपलब्ध कराया जाए, ताकि यह आधुनिक समय की सशक्त भाषा बन सके। हिंदी न केवल राजभाषा है बल्कि हमारी सांस्कृतिक एकता की आत्मा भी है। यह हमें परस्पर जोड़ती है और राष्ट्रीय गौरव का अनुभव कराती है। प्रत्येक भारतीय का दायित्व है कि वह हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दे और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी महत्ता पहुँचाए।

तेलुगु भाषा : भारतीय संस्कृति का गौरव

"देशभाषलंदु तेलुगु ललेसा" विजयनगर सम्राट कृष्णदेवराय के इस कथन से ही स्पष्ट होता है कि तेलुगु भाषा को भारतीय भाषाओं में कितना सम्मान प्राप्त है। यह भाषा केवल संप्रेषण का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य और परंपरा की वाहक है।

तेलुगु भाषा द्रविड़ भाषा परिवार की प्रमुख भाषा है। इसका इतिहास लगभग 2000 वर्षों से अधिक पुराना है। शिलालेखों और अभिलेखों में इसके प्राचीन प्रमाण मिलते हैं। धीरे-धीरे यह साहित्य, प्रशासन और जनजीवन की भाषा बनी।

लिपि और विशेषताएँ

- गोलाकार व सुंदर लिपि — 'इटालियन ऑफ द ईस्ट' कहलाती।
- 16 स्वर और 36 व्यंजन।
- संस्कृत व द्रविड़ तत्वों का अद्भुत संगम।
- मधुर और सुगम ध्वन्यात्मक संरचना।

साहित्यिक योगदान

- कवित्रयम् (नन्नय, तिक्कन, एर्रप्रगडा) – महाभारत अनुवाद।
- पिंगली सूरन्न – धार्मिक व सामाजिक रचनाएँ।
- तेनालीरामकृष्ण – हास्य-व्यंग्य के महान आचार्य।
- क्षेत्रय्य – भक्ति पद्य परंपरा के प्रतिनिधि।
- विश्वनाथ सत्यनारायण – ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता।
- आधुनिक युग में गुरजाडा अप्पाराव, श्रीश्री और अन्य कवि समाज सुधार व प्रगतिशील चिंतन से जुड़े।

समाज और संस्कृति में तेलुगु

- आंध्र व तेलंगाना की नृत्यकला कुचिपुड़ी।
- लोकगीत, नाटक व पारंपरिक साहित्य।
- तेलुगु फिल्म उद्योग (टॉलीवुड) – वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय।
- संगीत व रंगकला में विशेष योगदान।

आधुनिक परिप्रेक्ष्य

- इंटरनेट, मोबाइल, सोशल मीडिया में तेजी से प्रसार।
- प्रवासी समुदाय द्वारा विदेशों में प्रचार।
- ई-पुस्तकें, ऑनलाइन शिक्षा व वैश्विक मंचों पर पहचान।

तेलुगु भाषा केवल आंध्रप्रदेश और तेलंगाना की पहचान नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत की संस्कृति का गौरव है। हमें इसे सहेजकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है।

"तेलुगु भाषा भारतीय भाषाओं का मुकुटमणि है, जिसकी चमक युगों तक बनी रहेगी।"

संकलित

मराठी आलेख

नांदेड जिल्हा (महाराष्ट्र, भारत)

नांदेड जिल्ह्याला 'संतांची भूमी' म्हटले जाते कारण या पवित्र जिल्ह्यात अनेक महान संतांचे वास्तव्य होते आणि त्यांचे कार्यक्षेत्र होते. संत जनाबाई, संत नामदेव, संत बाळोलीकर, संत गोरोबाकाका आणि अनेक संत याच मातीत जन्मले आणि रमले. नांदेड हे शिखांचे पवित्र तीर्थक्षेत्र तख्त श्री हजरत साहिब साठी प्रसिद्ध आहे, जे संत-महंतांच्या भूमीचे एक महत्त्वाचे उदाहरण आहे.

नांदेडमधील काही प्रमुख संत आणि त्यांचे कार्य:

संत जनाबाई : त्या महाराष्ट्रातील एक प्रसिद्ध संत कवयित्री होत्या, ज्यांनी आपल्या भक्तीने आणि कवितांनी लोकांना प्रेरणा दिली.

संत नामदेव : वारकरी संप्रदायाचे एक महत्त्वाचे संत, ज्यांनी भक्तीचा संदेश सर्वत्र पसरवला.

संत बाळोलीकर : यांनी नांदेड जिल्ह्यात भक्तीचा प्रसार केला आणि अनेक लोकांना आध्यात्मिक मार्ग दाखवला.

संत गोरोबाकाका : वारकरी संप्रदायातील एक महत्त्वाचे संत, ज्यांनी नांदेडमध्ये आपल्या कार्याचा ठसा उमटवला.

नांदेड जिल्ह्याचे महत्त्व :

धार्मिक आणि आध्यात्मिक केंद्र : नांदेड जिल्ह्याला संतांच्या भूमीमुळे एक मोठे धार्मिक महत्त्व प्राप्त झाले आहे.

संस्कृती आणि वारसा : येथील अनेक मठ, मंदिरे आणि तीर्थक्षेत्रे या जिल्ह्याचा समृद्ध वारसा जपतात.

शीख तीर्थक्षेत्र : तख्त श्री हजरत साहिब हे शीखांसाठी एक पवित्र स्थळ आहे, ज्यामुळे जिल्ह्याला जागतिक स्तरावर ओळख मिळाली आहे.

अशाप्रकारे, नांदेड जिल्ह्याला 'संतांची भूमी' हे नाव त्याच्या समृद्ध धार्मिक आणि आध्यात्मिक वारशामुळे मिळाले आहे.

बालाजी सदाशिव कोपले
प्रबंधक
सीएसी, हैदराबाद

शिक्षा का महत्व

शिक्षक दिवस पर एक गांव के स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया जा रहा था। हम सभी भली भांति जानते हैं कि हमारे देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन 05 सितंबर को सभी स्कूलों में शिक्षक दिवस मनाया जाता है क्योंकि वे एक शिक्षक थे। उसी दिन एक व्यक्ति अपने शिक्षक को नमस्कार करते हुए आशीर्वाद मांगा तो शिक्षक बड़े ही सहज भाव से बोला, मुझसे ग़लती हो गई कि मैने तुम्हे नौवीं कक्षा में फैल कर दिया था, वह व्यक्ति व्यंग्य करते हुए कहा कि आपने सही किया।

अगर आप मुझे पास कर दिए होते तो मैं आज आप ही की तरह शिक्षक होता। वह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि उस राज्य का शिक्षा मंत्री था।

यह सच है कि हमारे लोकतंत्र में शिक्षा का कोई पैमाना नहीं है। अतः हमें यह समझना होगा कि हर क्षेत्र में हर स्तर पर शिक्षा का महत्व हो जिससे हम एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की कल्पना कर सकते हैं। हमारा देश लोकतंत्र की दृष्टिकोण से सबसे बड़ा है एवं हमारे देश में शिक्षित लोगों की कमी नहीं है। हमारे देश के संसद भवन जिसे हम लोकतंत्र का मंदिर कहते हैं यहीं से देश के हित में बड़े बड़े एवं महत्वपूर्ण फैसले लिए जाते हैं। लोकतंत्र की इसी गरिमामई पद पर देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पंडित नेहरू, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं अटल बिहारी वाजपेई जैसे लोग बैठ कर इस पद को गौरवान्वित किया।

अतः यह हम सबका कर्तव्य है कि हमें हर क्षेत्र में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना है एवं शिक्षित व्यक्ति को ही चुनकर इस लोकतंत्र की गरिमामई पद पर बैठने का अवसर प्रदान करते रहे जो एक अच्छे राष्ट्र निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

लव कुमार
अधिकारी
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

प्रज्वल
प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

वारंगल की संस्कृति, परंपराएँ और बैंकिंग का विकास

तेलंगाना राज्य का ऐतिहासिक नगर वारंगल अपनी समृद्ध संस्कृति, कला और परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। काकतीय वंश की राजधानी रहने वाला यह नगर आज भी उन शिल्पकृतियों, मंदिरों और किलों के लिए जाना जाता है जो उस युग की सांस्कृतिक महत्ता को दर्शाते हैं। वारंगल किला, हज़ार स्तंभों वाला मंदिर और रेमुंडला गुप्पा जैसी ऐतिहासिक धरोहरें यहाँ की पहचान हैं। इन स्थलों पर देखने को मिलता है कि कैसे पत्थरों पर उकेरी गई नक्काशियाँ और मूर्तियाँ कला और आस्था का संगम प्रस्तुत करती हैं।

वारंगल की परंपराएँ यहाँ के त्योहारों और लोककलाओं में जीवित हैं। बोनालु, बथुकम्मा और संक्रांति जैसे त्यौहार न केवल धार्मिक आस्था को प्रकट करते हैं बल्कि सामूहिकता और सामाजिक बंधन को भी मजबूत बनाते हैं। महिलाएँ रंग-बिरंगे फूलों से सजे बथुकम्मा बनाकर पारंपरिक गीतों के साथ पूजा करती हैं, वहीं पुरुष लोक नृत्यों और संगीत के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखते हैं। वारंगल की हथकरघा परंपरा, विशेषकर नारायणपेट और पच्चमपल्ली की साड़ियों का निर्माण, पूरे देश में सराहा जाता है।

समय के साथ-साथ वारंगल ने केवल सांस्कृतिक ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी प्रगति की है। व्यापार और कृषि के साथ बैंकिंग क्षेत्र ने यहाँ के लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाए हैं। पहले लोग साहूकारों और निजी उधार पर निर्भर रहते थे, जिससे उन्हें अक्सर उच्च ब्याज दरों का सामना करना पड़ता था। लेकिन राष्ट्रीयकृत बैंकों और सहकारी समितियों की स्थापना के बाद सामान्य नागरिकों को सुरक्षित और सुलभ बैंकिंग सेवाएँ मिलने लगीं।

डिजिटल युग में वारंगल ने भी आधुनिक बैंकिंग को अपनाया है। अब मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान प्रणालियों ने लोगों की दिनचर्या को सरल बना दिया है। किसान ऋण, स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता और लघु उद्योगों को आसान ऋण उपलब्ध कराना यहाँ की बैंकिंग व्यवस्था की प्रमुख उपलब्धियाँ हैं। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़े हैं बल्कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला है।

संक्षेप में कहा जाए तो वारंगल वह स्थल है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम दिखाई देता है। एक ओर यहाँ की संस्कृति और त्यौहार अतीत से जुड़ाव बनाए रखते हैं, वहीं दूसरी ओर बैंकिंग का विकास भविष्य की ओर नई दिशा देता है। यही विशेषता वारंगल को अद्वितीय और प्रेरणादायी बनाती है।

बैंकिंग में कर्मचारी कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य

बैंकिंग उद्योग हमेशा से अपनी तेज़ रफ़्तार, अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक और चुनौतीपूर्ण कार्य वातावरण के लिए जाना जाता है। लंबे कार्य घंटे, सख़्त समय-सीमाएँ, नियामक दबाव और लगातार बेहतर परिणाम देने की आवश्यकता के कारण कर्मचारियों को अकसर उच्च स्तर के तनाव का सामना करना पड़ता है। हाल के वर्षों में, विशेषकर महामारी के बाद, कर्मचारी कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य को संगठनों की प्राथमिकताओं में अग्रिम स्थान मिला है।

बैंकिंग में मानसिक स्वास्थ्य क्यों महत्वपूर्ण है : बैंक कर्मचारी लोगों की वित्तीय सुरक्षा, अनुपालन सुनिश्चित करने और ग्राहक विश्वास बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह ज़िम्मेदारी अपने साथ अत्यधिक दबाव भी लाती है, जो अगर अनियंत्रित रह जाए तो थकान, चिंता या उदासीनता का कारण बन सकती है। तनावग्रस्त कार्यबल न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि उत्पादकता, ग्राहक सेवा और समग्र संगठनात्मक प्रदर्शन को भी प्रभावित करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, दुनिया भर के बैंक मानसिक स्वास्थ्य को अपनी मानव संसाधन रणनीति का एक आवश्यक हिस्सा मान रहे हैं।

देखभाल की संस्कृति बनाना : मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सबसे ज़रूरी कदम है एक खुली और सहायक संस्कृति का निर्माण। कर्मचारियों को ऐसी सुविधा होनी चाहिए कि वे अपनी चुनौतियों के बारे में बिना किसी डर या कलंक के खुलकर बात कर सकें। इसमें प्रबंधकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है - उन्हें तनाव के लक्षण पहचानने और कार्य-जीवन संतुलन पर बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। नियमित बातचीत, मार्गदर्शन और सहानुभूतिपूर्ण नेतृत्व विश्वास को मज़बूत बनाने में बहुत मददगार साबित हो सकते हैं।

जी बेंजामिन पॉल
वरिष्ठ प्रबंधक (मा. सं.)
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

हमारा हैदराबाद

वाई राहुल
ग्राहक सेवा सहयोगी
ए.आर.एम.बी. हैदराबाद

भारत का "मोतीयों का शहर" कहलाने वाला हैदराबाद इतिहास और आधुनिकता का एक बेमिसाल संगम है। यह केवल तेलंगाना की राजधानी ही नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक और आर्थिक धुरी भी है।

हैदराबाद की नींव 16वीं शताब्दी के अंत में कुतुबशाही शासक मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने रखी थी। इस शहर का सबसे प्रमुख प्रतीक चारमीनार है, जो पुराने शहर की रौनक और यहां की समृद्ध धरोहर का परिचायक है। पास ही का गोलकोंडा किला, जहां से हैदराबाद का इतिहास सुनाई देता है, आज भी पर्यटकों को आकर्षित करता है।

हैदराबाद की पहचान उसकी नवाबी तहज़ीब और मेहमान नवाज़ी से भी है। यहां की लज़ीज़ हैदराबादी बिरयानी, हलीम, और ईरानी चाय दुनिया भर में मशहूर हैं।

यहां हर धर्म और हर संस्कृति के लोग रहते हैं, इसी वजह से यहां की बोली, संगीत और परंपराओं में विविधता झलकती है। रमज़ान के दिनों में शहर का पुराना इलाका किसी मेले से कम नहीं लगता।

आज हैदराबाद भारत की IT राजधानी के तौर पर भी जाना जाता है। हाइटेक सिटी और साइबराबाद में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक जैसी कंपनियों के बड़े कैम्पस हैं। यही कारण है कि इसे "साइबर सिटी" भी कहा जाता है।

शहर में विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान और हेल्थकेयर सुविधाएं भी मौजूद हैं, जिसके कारण यह डॉक्टरों और छात्रों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।

हुसैन सागर झील के किनारे बुद्ध प्रतिमा, शॉपिंग के लिए लाड बाज़ार और आधुनिकता का प्रतीक रामोजी फिल्म सिटी पर्यटकों के लिए खास पर्यटन स्थल हैं। यहां का नाइटलाइफ़ भी युवाओं को खूब भाता है।

हैदराबाद एक ऐसा शहर है जो अतीत की शान और भविष्य की दिशा, दोनों को अपने दिल में समेटे हुए है। यह सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है—जहां परंपरा और तकनीक, स्वाद और संस्कृति, इतिहास और आधुनिकता सब एक साथ मिलते हैं।

संयुक्ता विजयकुमार चंहादे
प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

विश्व पटल पर हिंदी

शेख तौकिर हसन
प्रबंधक (विधि)
ए.आर.एम.बी हैदराबाद

विश्व में हिंदी का महत्वपूर्ण स्थान है। यह भारत की राजभाषा है और दुनिया में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। हिंदी का प्रयोग न केवल भारत में, बल्कि नेपाल, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में भी होता है, जहां भारतीय प्रवासी बड़ी संख्या में बसे हुए हैं।हिंदी का साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हिंदी साहित्य, कविता, और सिनेमा ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विशेष रूप से बॉलीवुड की फिल्में और संगीत ने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुँचाया है।

वर्तमान में, हिंदी इंटरनेट और सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैल रही है, जिससे इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ रही है। हिंदी भाषा के समाचार, ब्लॉग, और शैक्षिक सामग्री की उपलब्धता ने इसे विश्वभर में हिंदी सीखने और समझने वालों के लिए और अधिक सुलभ बना दिया है।हिंदी विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है और इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता लगातार बढ़ रही है।

हिंदी का भविष्य विदेशों में उज्ज्वल और संभावनाओं से भरा हुआ है। निम्नलिखित बिंदु हैं जो इसके भविष्य को दर्शाते हैं:

1. प्रवासी भारतीय समुदाय: कई देशों में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है, जैसे अमेरिका, कनाडा, यूके, यूएई, और ऑस्ट्रेलिया। ये समुदाय अपनी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान को बनाए रखते हुए हिंदी का प्रसार करते हैं। विश्व के विभिन्न हिस्सों में भारतीय प्रवासी समुदाय हिंदी के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये समुदाय अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने के लिए हिंदी को अपने दैनिक जीवन में उपयोग में लाते हैं। भारत से बाहर बसे भारतीय समुदाय हिंदी भाषा के संरक्षण और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये समुदाय हिंदी भाषा के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी बनाए रखते हैं और विभिन्न देशों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

2. शैक्षिक संस्थान : विदेशों में कई विश्वविद्यालय और स्कूल हिंदी भाषा की शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। यह न केवल भारतीय मूल के छात्रों के लिए बल्कि अन्य भाषाओं के छात्रों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है।

3. सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव : विदेशों में विभिन्न भारतीय सांस्कृतिक संगठन हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जैसे हिंदी साहित्य सम्मेलन, कवि सम्मेलन, और नाट्य प्रस्तुतियाँ।

4. अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन : विभिन्न देशों में अंतरराष्ट्रीयहिंदी सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। इन सम्मेलनों में हिंदी भाषा और साहित्य के विकास, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की जाती है।

5. मीडिया और मनोरंजन : हिंदी फिल्में, टीवी शो, और संगीत विदेशों में अत्यधिक लोकप्रिय हैं। बॉलीवुड की वैश्विक

पहुंच और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब और नेटफ्लिक्स ने हिंदी सामग्री को विश्वभर में उपलब्ध कराया है। हिंदी साहित्य का वैश्विक स्तर पर अनुवाद और प्रकाशन बढ़ रहा है। हिंदी के लेखक और कवि अपनी कृतियों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहे हैं। हिंदी साहित्य का अनुवाद विभिन्न भाषाओं में हो रहा है और हिंदी लेखक अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं। हिंदी पुस्तकों का प्रकाशन और वितरण भी विभिन्न देशों में हो रहा है, जिससे हिंदी साहित्य का वैश्विक प्रसार बढ़ रहा है।

6. व्यापार और पर्यटन : भारत के साथ व्यापारिक संबंधों और पर्यटन में वृद्धि से भी हिंदी का प्रचार-प्रसार हो रहा है। कई विदेशी व्यवसायी और पर्यटक हिंदी सीखने में रुचि दिखा रहे हैं ताकि वे भारत के साथ बेहतर तरीके से जुड़ सकें।

7. डिजिटल और सोशल मीडिया: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी कंटेंट की बढ़ती लोकप्रियता और हिंदी ब्लॉग्स, पॉडकास्ट, और यूट्यूब चैनल्स का उदय हिंदी के भविष्य को और भी प्रबल बना रहा है। बॉलीवुड फिल्मों, हिंदी टीवी चैनलों, और ओटीटी प्लेटफार्मों के माध्यम से हिंदी भाषा की पहुंच और लोकप्रियता बढ़ रही है। कई देशों में हिंदी फिल्में और धारावाहिक दर्शकों द्वारा खूब पसंद किए जाते हैं। विश्व के विभिन्न हिस्सों में ये लोकप्रिय हैं और विभिन्न भाषाओं में डब या सबटाइटल किए जाते हैं।

अगर हम बात मॉरीशस की करें तो इस देश में हिंदी भाषा की स्थिति अधिक निखर कर सामने आती है। मॉरीशस में हिंदी का एक महत्वपूर्ण स्थान है। यह देश में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है और यहाँ की सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा है। मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में बसे हुए हैं। मॉरीशस में हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रयास किए गए हैं, जैसे कि स्कूलों में हिंदी की शिक्षा, हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम, और रेडियो और टेलीविजन पर हिंदी के कार्यक्रम। यहाँ हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए कई संस्थान भी कार्यरत हैं, जैसे कि विश्व हिंदी सचिवालय।

इसके अलावा, मॉरीशस में हर साल विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है, जिसे हिंदी भाषा और साहित्य के सम्मान में समर्पित किया गया है। हिंदी मॉरीशस की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विदेशों में हिंदी में भाषण देने वाले कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हिंदी भाषा का सम्मान बढ़ाया है। इनमें से कुछ प्रमुख प्रवासी भारतीय राजनेता, नेता, लेखक, साहित्यकार, शिक्षाविद्, प्रोफेसर, सामाजिक कार्यकर्ता, सांस्कृतिक प्रमोटर, भारतीय सरकारी प्रतिनिधि एवं अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं। इन व्यक्तियों ने हिंदी भाषा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है और इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अटल बिहारी वाजपेयी, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, एक महान वक्ता और हिंदी प्रेमी थे। उन्होंने अनेक अवसरों पर हिंदी में प्रभावशाली भाषण दिए, जिनमें कुछ ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण भाषण भी शामिल हैं। विदेशों में दिए गए उनके हिंदी भाषणों ने अन्तरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी भाषा की गरिमा और पहचान को बढ़ाया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा, 1977 में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया था। यह पहली बार था जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने इस प्रतिष्ठित मंच पर हिंदी में भाषण दिया, जो बहुत ही महत्वपूर्ण और गर्व का क्षण था। उनके इस भाषण ने अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा की पहचान को मजबूती दी। वाजपेयी जी ने फिर से 2002 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण दिया, जब वे भारत के प्रधानमंत्री थे। उनके इस भाषण ने न केवल भारत की आवाज को विश्व मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, बल्कि हिंदी भाषा के महत्व को भी उजागर किया। माननीय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का योगदान केवल भाषणों तक सीमित नहीं था। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा हिंदी को प्राथमिकता दी और इसके प्रचार-प्रसार के लिए अनेक कदम उठाए। उनकी कविताएँ और साहित्यिक रचनाएँ भी हिंदी में ही हैं, जो उनकी भाषा प्रेम को दर्शाती हैं। इन भाषणों और उनके भाषा प्रेम ने न केवल भारत में बल्कि विश्वभर में हिंदी भाषियों के मन में गर्व और सम्मान का भाव जगाया। स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का हिंदी के प्रति यह समर्पण आज भी लोगों को प्रेरित करता है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी विभिन्न

अंतरराष्ट्रीयमंचों पर हिंदी में कई प्रभावशाली भाषण दिए हैं। उनके ये भाषण न केवल भारत की आवाज को विश्व स्तर पर मजबूती से प्रस्तुत करते हैं, बल्कि हिंदी भाषा को भी एक नई पहचान और सम्मान दिलाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का हिंदी में भाषण देना न केवल भाषा प्रेम का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भारत अपनी संस्कृति और भाषा पर गर्व करता है और इसे विश्व स्तर पर प्रस्तुत करने में सक्षम है।

आदरणीय महोदया श्रीमती स्व० सुषमा स्वराज जी ने भी विदेश मंत्री होने के नाते कई महत्वपूर्ण अवसरों पर हिंदी में प्रभावशाली भाषण दिए हैं। उनके भाषणों ने न केवल भारत की नीतियों और विचारों को स्पष्टता से प्रस्तुत किया, बल्कि अन्तरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी भाषा को भी प्रतिष्ठा दिलाई। स्व० सुषमा स्वराज ने विभिन्न देशों में बसे भारतीय समुदाय को भी हिंदी में सम्बोधित किया है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भाषा के महत्व पर जोर दिया और प्रवासी भारतीयों के योगदान को सराहा।उनके भाषण आज भी प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं और भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

एक राष्ट्र की उन्नति उसके समाज से हैं, और समाज की उन्नति उस के हर एक परिवार से और परिवार की उन्नति उसके हर एक सदस्य की उन्नति पर निर्भर करती है”। अर्थात एक व्यक्ति का विकास ही एक राष्ट्र के विकास का पथ प्रशस्त करती है। ठीक इसी प्रकार विश्व पटल पर हिंदी भाषा का विकास, समस्त भारतीय भाषाओं तथा भारत के विकास में बहुमूल्य योगदान दे रहा है।

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि एक संस्कृति, एक परंपरा और एक विरासत है, जो हमें हमारे पूर्वजों से मिली है। विदेशों में बसे भारतीयों के लिए हिंदी एक सेतु की तरह काम करती है, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। यह हमें हमारी संस्कृति, हमारे रीति-रिवाजों और हमारी परंपराओं से जुड़े रहने में मदद करती है। आज, विश्व के विभिन्न हिस्सों में बसे भारतीयों ने हिंदी को जीवित रखा है और इसे आगे बढ़ाने का कार्य किया है। चाहे वो अमेरिका हो, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया या फिर यूरोप, हर जगह हिंदी भाषा ने अपनी पहचान बनाई है। इस डिजिटल युग में, हिंदी भाषा ने सोशल मीडिया, फिल्म, संगीत और साहित्य के माध्यम से अपनी एक विशेष जगह बनायी है। हिंदी में बनाई गई फिल्में और गाने न केवल भारतीयों के बीच, बल्कि पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं। इन सभी कारकों को देखते हुए, यह कहा जा सकता है कि विदेशों में हिंदी का भविष्य उज्ज्वल और समृद्ध है, और इसकी लोकप्रियता और प्रभावशीलता लगातार बढ़ती रहेगी।

“आज प्रतिज्ञा दिल से करके, हिंदी को अपनाना है
फिर देखे विश्व पटल पर कैसा हिंदुस्तान हमारा है”

हमारी संस्कृति और भाषा हमारी पहचान है, और हमें इसे सहेजकर रखना है।हिंदी भाषा का सम्मान इसे सीखना और इसे अपनी आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचा कर हम हिंदी को वैश्विक मंच पर और ऊँचाइयों तक ले जाए सकते हैं।

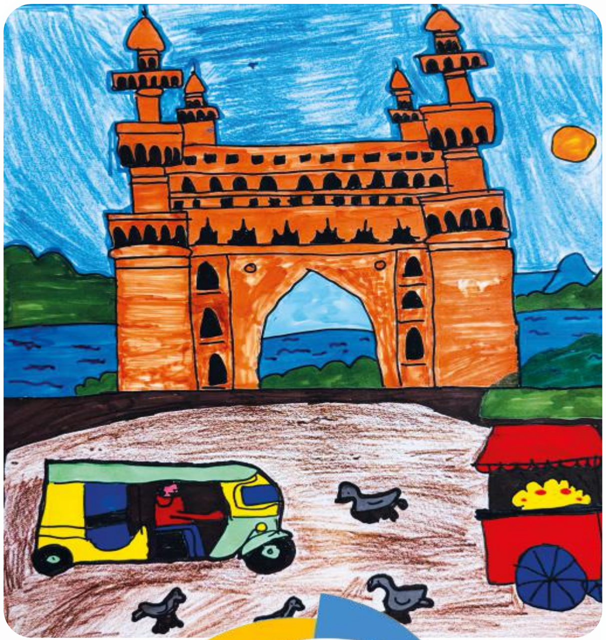

जे रितिका रेचल
सुपुत्री:जे नानी किशोर
वरिष्ठ प्रबंधक (सू.प्रौ)

संगठन

शशि रेखा जे
प्रबंधक विपणन
सी ए सी हैदराबाद

मानव जीवन में संगठन का बहुत महत्व है। संगठन का अर्थ है – किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए लोगों का मिलकर एक दिशा में कार्य करना। जब व्यक्ति अकेले कार्य करता है तो उसकी क्षमता सीमित होती है, लेकिन जब लोग मिलकर संगठन के अंतर्गत काम करते हैं तो उनकी शक्ति और प्रभाव कई गुना बढ़ जाते हैं।

संगठन की सफलता के लिए कुछ आवश्यक तत्व होते हैं –

- स्पष्ट उद्देश्य : संगठन का लक्ष्य सभी को मालूम होना चाहिए।
- अनुशासन और नियम : बिना अनुशासन के कोई भी संगठन सफल नहीं हो सकता।
- सहयोग की भावना : संगठन तभी फलता-फूलता है जब हर सदस्य सहयोग करता है।
- सशक्त नेतृत्व : योग्य नेतृत्व संगठन को सही दिशा देता है।

संगठन से अनेक लाभ होते हैं। यह कार्यक्षमता बढ़ाता है, संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करता है और सफलता की संभावना को मजबूत बनाता है। समाज, विद्यालय, उद्योग, यहाँ तक कि राष्ट्र का निर्माण भी संगठन के बल पर ही संभव होता है।

कहा जा सकता है कि संगठन प्रगति की कुंजी है। एकता और सहयोग से ही बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इसी कारण कहा गया है – "संगठन में ही शक्ति है।"

तेलुगु भाषा

హిందీ – జాతీయ భాష

హిందీ భారతదేశంలో అత్యంత విస్తృతంగా మాట్లాడబడే భాష. ఇది దేవనాగరి లిపిలో వ్రాయబడుతుంది. భారతదేశ రాజ్యాంగం ప్రకారం హిందీని అధికార భాషగా గుర్తించారు. దాదాపు ఉత్తర భారతదేశం మొత్తంలో హిందీ భాష ప్రధానంగా మాట్లాడబడుతుంది.

హిందీ భాషకు సమృద్ధమైన సాహిత్య చరిత్ర ఉంది. కబీర్, తులసీదాస్, సూరదాస్, ప్రేంఛంద్ వంటి కవులు, రచయితలు హిందీ సాహిత్యాన్ని ప్రపంచానికి పరిచయం చేశారు. ఆధునిక కాలంలో కూడా హిందీ భాష సినిమాలు, సీరియళ్ళు, పాటలు, కథల ద్వారా ప్రజల్లో లోతుగా జారి చేసుకుంది.

భారతదేశంలోని భిన్న రాష్ట్రాలకు భిన్నమైన భాషలు ఉన్నప్పటికీ, హిందీ ఒక కలుపుగోలిపే భాషగా నిలుస్తోంది. దక్షిణ భారతదేశ ప్రజలు కూడా హిందీని నేర్చుకొని ఇతర రాష్ట్రాలతో సులభంగా సంబంధాలు కలిగిస్తున్నారు. వ్యాపారం, విద్య, ఉద్యోగాలు, దేశీయ ప్రయాణాల వంటి రంగాలలో హిందీ ఒక వంతెనలా పనిచేస్తుంది.

మొత్తానికి, హిందీ మన దేశాన్ని ఏకం చేసే బలమైన భాష. భిన్నత్వంలో ఏకత్వాన్ని నిలబెట్టే ముఖ్యమైన సాధనం హిందీ అని చెప్పవచ్చు.

भावानुवाद

हिंदी - राजभाषा

हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। भारत के संविधान के अनुसार, हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई है. लगभग पूरे उत्तर भारत में हिंदी प्रमुख भाषा है। हिंदी भाषा का एक समृद्ध साहित्यिक इतिहास रहा है। कबीर, तुलसीदास, सूरदास और प्रेमचंद जैसे कवियों और लेखकों ने हिंदी साहित्य को दुनिया से परिचित कराया। आधुनिक समय में भी, हिंदी ने फिल्मों, धारावाहिकों, गीतों और कहानियों के माध्यम से लोगों के दिलों में गहरी जगह बना ली है।

भले ही भारत के अलग-अलग राज्यों की अपनी-अपनी भाषाएँ हैं, हिंदी एक जोड़ने वाली भाषा के रूप में कार्य करती है. दक्षिण भारत के लोग भी हिंदी सीख रहे हैं और अन्य राज्यों के साथ आसानी से संबंध स्थापित कर रहे हैं। व्यापार, शिक्षा, रोजगार और देश के भीतर यात्रा जैसे क्षेत्रों में हिंदी एक पुल की तरह काम करती है।

संक्षेप में, हिंदी हमारे देश को एकजुट करने वाली एक शक्तिशाली भाषा है। यह कहा जा सकता है कि हिंदी विविधता में एकता बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण साधन है.

जी मनोज कुमार
प्रबंधक
पीएलबी चेन्नई

बांग्ला भाषा

নিঃসঙ্গতার সঙ্গী

ভিড়ের মাঝে থেকেও কতবার দেখি,
মন খুঁজে ফেরে নির্জন পথেকি।
হাসি-ঠাট্টা, আলোর মেলা,
তবু ভেতরটা শূন্য—একলা একেলা।
সন্ধ্যার আকাশে যখন নেমে আসে চাঁদ,
নিঃসঙ্গতাই তখন করে স্নেহের সাধ।
চুপচাপ বসে শোনায় মনের গান,
অদৃশ্য সাথী, তবু সবচেয়ে আপন প্রাণ।
লোকে বলে—একা মানে দুঃখ,
আমি বলি—একা মানেই সুখ।
যেখানে নেই ভান, নেই কোনো অভিনয়,
সেখানেই জন্ম নেয় আত্মার আশ্রয়।
শেষ পর্যন্ত বুঝেছি আমি,
সবচেয়ে কাছের বন্ধু এই নিঃসঙ্গতাই নামি।

भावानुवाद

एकांत का साथी

भीड़ के बीच भी, कितनी बार देखता हूँ,
मेरा दिल भटकता है, एकांत गली की तलाश में।
हँसी, चुहलबाज़ी, रौशनी के त्यौहार,
फिर भी अंदर से खालीपन महसूस होता है-रात में अकेला।
जब चाँद शाम के आसमान पर उतरता है,
तब एकांत कोमल आह भरकर फुसफुसाता है।
चुपचाप बैठा, मेरी आत्मा की धुन गुनगुनाता है,
एक अनदेखा दोस्त, फिर भी चाँद जितना सबसे क़रीब।
लोग कहते हैं-अकेला होना दुःख है,
मैं कहता हूँ-अकेला होना राहत है।
जहाँ कोई दिखावा नहीं, कोई भेष नहीं,
वहाँ आत्मा को अपना सच्चा स्वर्ग मिलता है।
आखिरकार, मुझे सचमुच पता चल गया है,
सबसे प्यारा दोस्त एकांत की चमक है।

कनक दास
प्रबंधक
सी.ए.सी., हैदराबाद

नई सुबह का सपना

धीरे-धीरे रात ढली,
सूरज ने किरणें फैलाईं।
ओस की बूंदें संग आई,
धरती एक बार फिर मुस्कुराई।

मन में जागी नई उमंग,
हर चेहरे पर एक नई तरंग।
चलो मिलकर हम यह ठानें,
सपनों को सच कर डालें।

राह कठिन हो या आसान,
हिम्मत से करना है काम।
नये विचार, नई उड़ान,
यही हो जीवन की पहचान।

महेश
प्रबंधक
सी ए सी हैदराबाद

ओणम

हर आँगन में दीप जलें, खुशियों का हो मान,
केरल की धरती गाए, आया शुभ ओणम महान।

पुक्कलम के फूल खिले, रंग-बिरंगी छटा,
भक्ति-भाव से सजे द्वार, मन में उमंग घटा।

महाबली का प्रेम अनोखा, सबको याद दिलाए,
समानता का संदेश जग में, ओणम फिर दोहराए।

कथकली के भाव नृत्य, संगीत की झंकार,
नौका दौड़ की लहरों संग, गूँजे हर्ष अपार।

संध्या में दीपों की रौशनी, जैसे स्वर्णिम स्वप्न,
भोजन की मधुर सुगंध, सजाएँ पर्व का यज्ञ।

स्नेह, समता, मेल-मिलाप, सबको बाँधें एक डोर,
ओणम उत्सव है जीवन का, उमंग, आनंद और चितचोर।

रेंजू जिजो
प्रबंधक
मंडल कार्यालय, हैदराबाद

कला दीर्घा

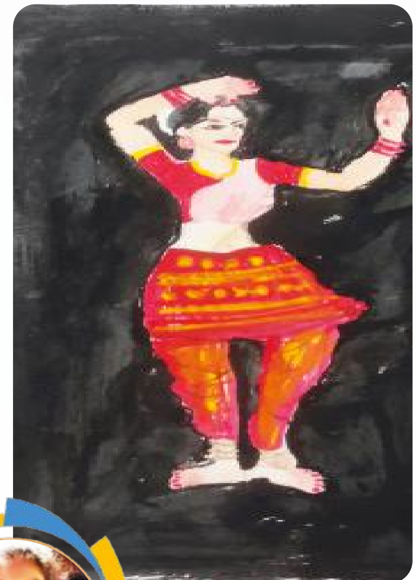

पर्णिका
सुपुत्री : श्रीमती शशि रेखा जे
प्रबंधक विपणन

नक्षत्रा गंदमवार
सुपुत्री : श्री मयूर गंदमवार
मुख्य प्रबंधक

स्वरा बालाजी कोपले
सुपुत्री: श्री बालाजी कोपले
प्रबंधक

तक्ष
सुपुत्र : श्रीमती शशि रेखा जे
प्रबंधक विपणन

सचिन श्रेयांश वत्सल
सुपुत्र : श्रीमती चैतन्य बोडा
शाखा प्रमुख मलेकपेट

डी सुकृत
सुपुत्र : श्री डी राघवेन्द्र
उप प्रबंधक

डी यक्षित
सुपुत्र : श्री डी राघवेन्द्र
उप प्रबंधक

देवांशिका
भतीजी : अनीता के.
कनिष्ठ सहायक

डी मानसी
सुपुत्री : श्रीमती अर्पणा कुन्तमुक्कला
वरिष्ठ प्रबंधक

चर्विथा
सुपुत्री : श्रीमती वी अर्चना वैदेही
अधिकारी

कृतिक्षा
सुपुत्री : श्री मयूर गंदमवार
मुख्य प्रबंधक

विभिन्न अखबार के पन्नों में हैदराबाद

प्रकाशित समाचार

दिनांक : गुरुवार, 10 जुलाई, 2025

पृष्ठ संख्या : 18

डेली हिन्दी मिलाप
DAILY HINDI MILAP
Hyderabad

पीएनबी का राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़ा आयोजित

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), मंडल कार्यालय, हैदराबाद में राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़े के तहत आयोजित कार्यक्रम का दृश्य।

Largest Selling HINDI DAILY Published from Hyderabad
Member: INS, ABC, MRUC and ILNA

విజయక్రాంతి

పీఎన్‌బీ ఆధ్వర్యంలో రిటైల్ ఔట్రీచ్

తెలుగుప్రభ

हिन्दी मिलाप

पीएनबी का एमएसएमई आउटरीच प्रोग्राम आयोजित

पीएनबी में राजभाषा पखवाड़ा का समापन

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक,मंडल ... रुचि तथा उत्साह का वातावरण बनाया गया। ... सरकार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

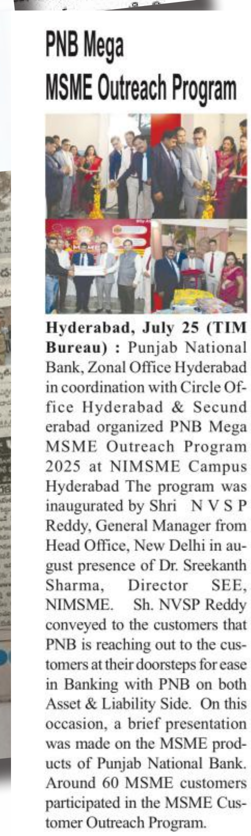

PNB Mega MSME Outreach Program

Hyderabad, July 25 (TIM Bureau) : Punjab National Bank, Zonal Office Hyderabad in coordination with Circle Office Hyderabad & Secunderabad organized PNB Mega MSME Outreach Program 2025 at NIMSME Campus Hyderabad The program was inaugurated by Shri N V S P Reddy, General Manager from Head Office, New Delhi in august presence of Dr. Sreekanth Sharma, Director SEE, NIMSME. Sh. NVSP Reddy conveyed to the customers that PNB is reaching out to the customers at their doorsteps for ease in Banking with PNB on both Asset & Liability Side. On this occasion, a brief presentation was made on the MSME products of Punjab National Bank. Around 60 MSME customers participated in the MSME Customer Outreach Program.

टिप्पण

1.	Above cited/ Above mentioned	ऊपर उल्लिखित/उपर्युक्त	పైన ఉదహరించబడింది/ పైన ప్రస్తావించబడింది
2.	Accepted	स्वीकृत	అంగీకరించబడింది
3.	Accepted in principle	सिद्धांतत: स्वीकृत	సూత్రప్రాయంగా అంగీకరించబడింది
4.	According it has been declined	तदनुसार यह निर्णय किया गया है	దాని ప్రకారం తిరస్కరించబడింది
5.	Account for	अगली रिपोर्ट की प्रतीक्षा करें	కోసం ఖాతా
6.	According to merit	योग्यतानुसार/गुण-दोषों के आधार पर	మెరిట్ ప్రకారం
7.	Acknowledge to merit	संक्षिप्त टिप्पणी संलग्न है	యోగ్యతను గుర్తించండి
8.	Acknowledge receipt	पावती भेजें/प्राप्ति सूचना दें	రసీదుని గుర్తించండి
9.	Action as proposed may be taken	तदनुसार कार्यवाही की गई/जा चुकी है	ప్రతిపాదించిన విధంగా చర్యలు తీసుకోవచ్చు
10.	Action has been taken accordingly	कार्यवाही की पुष्टि की जाती है	తదనుగుణంగా చర్యలు తీసుకున్నారు
11.	Action is confirmed	सूचना अपेक्षित/प्रतीक्षित है	చర్య నిర్ధారించబడింది
12.	Advice expected/awaited	संबंधित पार्टी को सूचित करें	సలహా ఆశించబడింది/ నిరీక్షించబడింది
13.	Advise the concerned party	बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत है	సంబంధిత పార్టీకి సలహా ఇవ్వండి
14.	After consultation with	सहमत हूं/ सहमति है	సంప్రదించిన తరువాత
15.	Agenda of the meeting is put up	सभी संबंधित नोट करें	సమావేశ ఎజెండాను రూపొందించారు
16.	All concerned may please note	इस मामले की /इस संबंध में जांच की जा रही है	సంబంధితులందరూ దయచేసి గమనించగలరు
17.	An enquiry is being made in this matter	आवेदन नामंजूर/अस्वीकार कर दिया जाए	ఈ విషయమై విచారణ జరుపుతున్నారు
18.	Application may be rejected	सराहनीय प्रयास	దరఖాస్తు తిరస్కరించబడవచ్చు
19.	Appreciable efforts	अनुमोदन प्राप्त किया जाए	ప్రశంసనీయమైన ప్రయత్నాలు
20.	Approval may be obtained	उचित कार्रवाई की जाए /कदम उठाएं जाएं	ఆమోదం లభించవచ్చు

राजभाषा गतिविधियां

राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए श्री अरविंद कालरा, मंडल प्रमुख हैदराबाद एवं डॉ. सुनील कुमार लोका, (सेवानिवृत्त)।

दिनांक 13.06.2025 को राजभाषा कार्यशाला के दौरान स्टाफ सदस्यों से चर्चा करती हुईं वरिष्ठ प्रबन्धक (राजभाषा) ।

22 अगस्त 2025 को हैदराबाद मंडल के अंतर्गत महबूबनगर शाखा को नराकास महबूबनगर द्वारा "राजभाषा शील्ड योजना" के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजय प्रतिभागीगण खुशियाँ मनाते हुए।

जन्मोत्सव

भावभीनी विदाई

श्री सी एच वी सूर्यनरायण, वरिष्ठ प्रबन्धक

श्री ए. रामाजयम, सहायक महाप्रबंधक

श्री रमेश बाबू ए., सहायक महाप्रबंधक

श्री के.एस राव, वरिष्ठ प्रबन्धक

दो दिवसीय हाउसिंग लोन एक्सपो के दौरान मंडल प्रमुख, हैदराबाद तथा अन्य अधिकारीगण पीएनबी के स्टॉल पर।

विविध गतिविधियां

हैदराबाद मंडल अंतर्गत हालिया शाखा का उद्घाटन करते हुए माननीय कार्यपालक निदेशक महोदय श्री एम परमशिवम, अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री सुनील कुमार चुघ, मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविंद कालरा ।

हैदराबाद मंडल अंतर्गत हालिया शाखा के उद्घाटन समारोह के दौरान कार्यपालक निदेशक महोदय श्री एम परमशिवम ,अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री सुनील कुमार चुघ,मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविंद कालरा महोदय दीप प्रज्ज्वलित करते हुए ।

मेगा कृषि आउटरिच कार्यक्रम के दौरान ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेक ग्राहकों को अपने करकमलों से प्रदान करते हुए कार्यपालक निदेशक महोदय श्री एम परमशिवम ,अंचल प्रमुख हैदराबाद श्री सुनील कुमार चुघ,मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविंद कालरा ।

जेड एम क्लब की सदस्यता प्राप्त होने पर एल बी नगर शाखा में खुशियाँ मनाते स्टाफ सदस्य ।

वर्ष 2024-25 में असाधारण प्रदर्शन हेतु ईडी क्लब की सदस्यता प्राप्त करने के बाद पीएलपी हैदराबाद में ख़ुशी का माहौल ।

विविध गतिविधियां

पूर्व अंचल प्रमुख श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव महोदय मंडल कार्यालय हैदराबाद के स्टाफ सदस्यों के साथ ।

मंडल कार्यालय हैदराबाद के सभाकक्ष में अग्नि सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित बैठक के दौरान मंडल प्रमुख हैदराबाद श्री अरविंद कालरा एवं मंडल कार्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यगण ।

टाऊन हाल बैठक के दौरान आदरणीय प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र महोदय के सम्बोधन को श्रवण करते हुए हैदराबाद अंचल, मंडल एवं सिकंदराबाद मंडल के स्टाफ सदस्यगण ।

एमएसएमई आउटरिच कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक श्रीमती वंदना पाण्डेय महोदया, मंडल प्रमुख सिकंदराबाद श्री सुजीत कुमार झा तथा श्री अरविंद कालरा, मंडल प्रमुख हैदराबाद ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेक ग्राहकों को सौपते हुए ।

विविध गतिविधियां

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए श्री अरविंद कालरा, मंडल प्रमुख हैदराबाद।

दिनांक 17.09.2025 को मंडल कार्यालय हैदराबाद के अधिकारीगण स्वच्छता ही सेवा का शपथ लेते हुए।

131 वीं स्थापना दिवस के अवसर पर मंडल कार्यालय हैदराबाद की झलकियाँ।

पीएनबी, श्री नगर कॉलोनी शाखा ने अपोलो हॉस्पिटल, जुबली हिल्स के डॉ. करूमुरी रवि तेजा रेड्डी, एमएस ऑर्थोपेडिक्स की मौजूदगी में हड्डी संबंधी समस्याओं के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। श्री संजय माने जी, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय हैदराबाद तथा मंडल प्रमुख, हैदराबाद श्री अरविंद कालरा जी भी इस अवसर पर उपस्थित रहें।

पीएनबी मालकपेट शाखा द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन ।

रिटेल एक्सपो के दौरान ग्राहक वर्ग को कार की चाभी सौंपते उच्च अधिकारीगण।

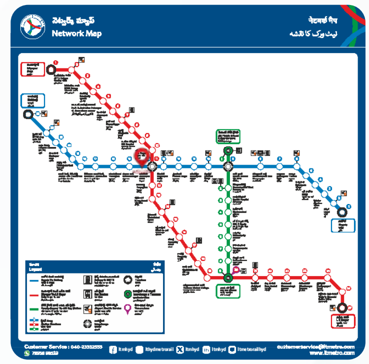

एक नज़र मंडल कार्यालय हैदराबाद

मंडल कार्यालय, हैदराबाद

शाखाएँ
73

- शहरी 05
- अर्ध- शहरी 11
- ग्रामीण 06

वर्टिकल
05

- करेंसी चेस्ट 01
- क्षेत्रीय क्लेयरिंग सेंटर 01

एटीएम
70

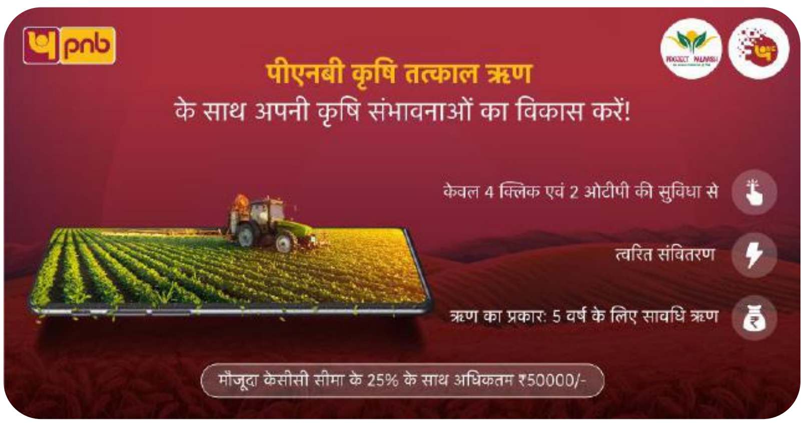

टोल फ्री: 1800 1800 | 1800 2021

हमें फॉलो करें:

instaloans.pnbindia.in

आवेदन हेतु यहां स्कैन करें

टोल फ्री नंबर: 1800 1800/1800 2021

हमें फॉलो करें